अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

(राज्य विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश अधिनियम क्रमांक 34, वर्ष 2011 द्वारा संचालित)

ग्राम - मुगालिया कोट (सूरवी सेवनिया), विदिशा रोड़, भोपाल (म.प्र.) 462038

दूरभाष क्रमांक : 0755-2491051/52

उपलब्धियाँ

- विश्वविद्यालयों और अन्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/ विश्वविद्यालयों के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों/सम्मेलनों/परिसंवादों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों आदि का आयोजन किया जाता है।
- 15-17 फरवरी 2023 को नांदी, फिजी में संपन्न 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन में प्रो. खेमसिंह डहेरिया, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय ने 'विश्व बाज़ार और हिंदी' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर भारत और हिंदी को गौरवान्वित किया है।
- भारतीय ज्ञान-विज्ञान का व्यापक प्रचार-प्रसार करना, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय के अनुवाद विभाग द्वारा वैज्ञानिक व तकनीकी विषयों का हिंदी व भारतीय भाषाओं में बृहत स्तर पर अनुवाद-कार्य किया जाता है, जो "राष्ट्रीय शिक्षा नीति" का भी महत्वपूर्ण उद्देश्य है।
- उच्च स्तरीय गवेषणा, नवाचार, शिक्षण आदि विश्वविद्यालय के उद्देश्य की पूर्ति तथा अटलबिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व व कृतित्व को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग द्वारा अटल अन्वेषण, अटल वातायन, अटल संवाद, अटल प्रवाह, विश्वविद्यालय वार्ता, हिंदी दर्शन, वार्षिक प्रतिवेदन आदि पत्रिकाओं का प्रकाशन किया गया है।
- विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं मध्यप्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री मंगुभाई पटेल जी द्वारा प्रारंभित सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन अभिनव योजना का प्रो. खेमसिंह डहेरिया, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के निर्देशन में धार जिले के तिरला विकासखंड में पोड़ाबाऊ, चाकल्या, पोलाहनुमान, खिड़कियाकला, सैमलिपुरा ग्रामों को गोद लिया गया है तथा इन पाँच ग्रामों में जाकर जनजागृति हेतु इस अभियान का प्रचार-प्रसार किया है और सिकलसेल एनीमिया व्याधि के लक्षणों, कारणों, जाँच, उपचार आदि संबंधित जानकारी प्रदान की गई है।

संचालित पाठ्यक्रम 2024-2025

1.स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

▪ एम.ए.हिंदी (साहित्य) ▪ एम.ए. संस्कृत ▪ एम.ए.राजनीति शास्त्र ▪ एम.ए.इतिहास ▪ एम.ए. अर्थशास्त्र ▪ एम.ए. समाज शास्त्र ▪ एम.ए.भूगोल ▪ एम.ए. संगीत (गायन) ▪ एम.ए. जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन ▪ एम.ए. अनुवाद ▪ एम. ए. योग विज्ञान ▪ एम.ए. नाट्यकला ▪ एम.एस. डब्ल्यू.: समाज कार्य ▪ एम.एससी. ▪ रसायन शास्त्र ▪ भौतिक शास्त्र ▪ गणित ▪ एम.एससी.: संगणक विज्ञान ▪ एम.एससी.: जैवविविधता संरक्षण एवं प्रबंधन ▪ एम.एससी.: पर्यावरण प्रबंधन ▪ एम.एससी.: योग विज्ञान ▪ एम.एफ. एससी (मत्स्य विज्ञान) ▪ एम.एफ.ए.- चित्रकला ▪ एम.कॉम.: वाणिज्य ▪ एम.बी.ए. ▪ एल.एल. एम.: एक वर्षीय ▪ एम.लिब. एक वर्षीय (दो सेमेस्टर), एम.ए. शिक्षा शास्त्र

2. विद्यावारिधि (पीएच.डी.)

3. स्नातक पाठ्यक्रम

▪ बी.ए. ▪ बी.एससी. (बायो समूह) ▪ बी.एससी. (गणित समूह) ▪ बी.कॉम ▪ बी.सी.ए. ▪ बी.बी.ए. ▪ बी.ए. (योग विज्ञान) ▪ बी. एससी. (योग विज्ञान) ▪ बी.ए.-जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन ▪ बी.लिब : एक वर्षीय ▪ बी.एफ.ए. (पेंटिंग) : चित्रकला (चार वर्षीय पाठ्यक्रम) ▪ बी.एड. (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) ▪ इनमें प्रवेश म.प्र.शासन के उच्च शिक्षा विभाग के नियमानुसार होगा।

4. स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) वार्षिक एवं सेमेस्टर पद्धति आधारित

▪ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन ▪ संगणक अनुप्रयोग (पीजीडीसीए) ▪ आहारिकी एवं जनस्वास्थ्य पोषण ▪ आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण ▪ खेलों में चोट का निदान एवं प्रबंधन ▪ साइबर कानून (सेमेस्टर आधारित) ▪ पर्यावरण विधि (सेमेस्टर आधारित) ▪ बौद्धिक संपदा अधिकार (सेमेस्टर आधारित) ▪ गाइडन्स एन्ड काउन्सलिंग

Scanned with CamScanner

5. पत्रोपाधि (डिप्लोमा) वार्षिक पद्धति आधारित

▪ लोक संगीत ▪ सुगम संगीत ▪ संगणक अनुप्रयोग (डी.सी.ए.) ▪ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ▪ नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच ▪ मत्स्य एवं मत्स्यकी ▪ मशरूम उत्पादन तकनीक एवं प्रबंधन

6. एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

▪ पंचकर्म तकनीशियन।

7. छह माह अवधि वाले प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

▪ वैदिक गणित ▪ अनुवाद ▪ आंतरिक सज्जा ▪ ज्योतिर्विज्ञान ▪ योग प्रशिक्षक प्रशिक्षण ▪ पोषण आहार एवं प्राकृतिक चिकित्सा ▪ नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच ▪ जैवविविधता एवं पर्यावरण प्रबंधन ▪ वेब डिजाइनिंग ▪ सूचना प्रौद्योगिकी ▪ 3-डी एनिमेशन ▪ मशरूम उत्पादन तकनीक एवं प्रबंधन ▪ पंचकर्म थिरेपिस्ट ▪ साइबर कानून एवं साइबर सुरक्षा।

8. तीन माह अवधि वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

▪ लोकगीत (गायन) ▪ योग शिक्षक प्रशिक्षण ▪ पंचकर्म

9. 21 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

▪ आलंकारिक मत्स्य एवं जलशाला।

10. अध्ययन केंद्र इंदौर

▪ योग प्रशिक्षक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र (छह माह) ▪ वैदिक गणित प्रमाण पत्र (छह माह) ▪ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पत्रोपाधि (1 वर्ष) ▪ वैदिक गणित पत्रोपाधि (1 वर्ष)

11. विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केंद्रों में एक वर्षीय स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (पीजी डिप्लोमा) वार्षिक पद्धति पर आधारित

▪ आहारिकी एवं जनस्वास्थ्य पोषण ▪ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन ▪ संगणक अनुप्रयोग (पीजीडीसीए) ▪ होटल मैनेजमेंट एण्ड टूरिज्म ▪ श्री रामचरितमानस में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ▪ डिजास्टर मैनेजमेंट ▪ इण्डस्ट्रियल सेफ्टी ▪ गारमेंट कन्स्ट्रक्शन एण्ड फैशन डिजाइनिंग ▪ आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण ▪ खेलों में चोट का निदान एवं प्रबंधन ▪ सायबर कानून (सेमेस्टर आधारित) ▪ पर्यावरण विधि (सेमेस्टर आधारित) ▪ अनुवाद

12. विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केंद्रों में पत्रोपाधि (डिप्लोमा) एक वर्षीय वार्षिक पद्धति पर आधारित

▪ फैशन अभिकल्पन (फैशन डिजाइनिंग) ▪ मत्स्य एवं मत्स्यकी ▪ मशरूम उत्पादन तकनीकी एवं प्रबंधन ▪ प्राथमिक चिकित्सा उपचार ▪ प्राकृतिक फार्मा ▪ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ▪ जैविक कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन ▪ संगणक अनुप्रयोग (डीसीए) ▪ लोक संगीत ▪ सुगम संगीत ▪ नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच ▪ फूड प्रोडक्शन ▪ हाउस कीपिंग ▪ फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन्स ▪ फायर सेफ्टी एवं हजार्ड मैनेजमेंट ▪ बेकरी एवं कन्फेक्शनरी ▪ इण्डस्ट्रियल सेफ्टी ▪ हॉस्पिटल मैनेजमेंट ▪ फूड एण्ड बेवरेज सर्विस ▪ होटल मैनेजमेंट ▪ आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण ▪ खेलों में चोट का निदान एवं प्रबंधन ▪ वैदिक गणित ▪ इलेक्ट्रो होम्योपैथी

विश्वविद्यालय में सुविधाएँ -

▪ छात्रावास ▪ छात्रवृत्ति/शोधवृत्ति ▪ आवागमन के लिए बस की सुविधा ▪ वाईफाई परिसर ▪ संगणक प्रयोगशाला ▪ यौगिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा ▪ विस्तृत व्याख्यान कक्ष ▪ आई.टी.प्रकोष्ठ ▪ केंद्रीय पुस्तकालय-वाचनालय ▪ खेल सुविधाएँ ▪ एन.एस.एस ▪ छात्र कल्याण प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय की स्थापना

02 दिसंबर, 2011 मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा सर्व सम्मति से अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना विषयक विधेयक पर हस्ताक्षर कर विश्वविद्यालय अधिनियम को स्वीकृति प्रदान की। 19 दिसंबर, 2011 को मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) मध्यप्रदेश अधिनियम क्र. 34, सन् 2011 द्वारा गजट में प्रकाशन के बाद अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तथा यह अधिनियम 21 दिसंबर, 2011 से प्रभावी माना गया।

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय के लक्ष्य

यह विश्वविद्यालय देश में अपने ही प्रकार का एक विशेष विश्वविद्यालय है। इसकी विशेषता इस प्रकार से परिलक्षित होती है कि यह कला, समाज विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी, विज्ञान, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, विधि, शिक्षा एवं अन्य आधुनिक दृष्टिकोण के समस्त पाठ्यक्रमों का संचालन हिंदी भाषा के माध्यम से ही करेगा। यह पहल देश के समस्त हिंदी प्रदेशों के विद्यार्थियों के लिए निश्चय ही एक वरदान है। यह भारत सहित संपूर्ण विश्व का पहला विश्वविद्यालय है, जो ज्ञान-विज्ञान की समस्त शाखाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण, प्रकाशन तथा राष्ट्रीय लोकव्यवहार को मात्र हिंदी भाषा में संभव तथा सम्पन्न करने के लिए संकल्पित है। इसीलिए इसका दायित्व एक ओर युग-प्रवर्तक का है, वहीं दायित्व निर्वहन की गहनता-गम्भीरता तथा व्यापकता के दृष्टिगत अपेक्षित विराट-संसाधन वैश्विक-सहयोग आवश्यक है, जो कि राष्ट्रीय स्तर पर पहल द्वारा ही पूर्ण हो सकेगा।

यह विश्वविद्यालय समग्र-दृष्टि के अनुरूप शनैः-शनैः विकसित हो रहा है। इस विश्वविद्यालय की सफलता से राष्ट्र की कर्तव्यनिष्ठ समस्त सरकारें प्रेरणा लेंगी और ज्ञान-विज्ञान की समस्त शाखाओं में भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्चतम शिक्षा प्रदान करने का कर्तव्य निभाएंगी, यह विश्वास है। हिंदी विश्वविद्यालय की परिकल्पना ऐसे विश्वस्तरीय मानकों का निर्माण करने की है जिनके आधार पर हमारे शिक्षकों में भी गुणात्मक अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की क्षमता में निरंतर वृद्धि हो सके।

विश्वविद्यालय में शिक्षण और प्रशिक्षण की ऐसी प्रविधियों की संरचना हो, जिससे गुरु-शिष्य परंपरा के आधार पर व्यावहारिक निपुणताओं को आगे बढ़ाया जा सके तथा योजनाबद्ध शिक्षण, प्रशिक्षण, प्रदर्शन की अत्याधुनिक प्रविधियों, संग्रहण, सर्वेक्षण,अभिलेखीकरण, श्रेष्ठ-भाषाविदों के सान्निध्य एवं सहयोग से जिज्ञासुओं का मार्गदर्शन किया जा सके। हिंदी सहित समस्त भारतीय भाषाओं को उनकी प्रामाणिकता और बौद्धिक क्षमता तथा उसमें निहित आध्यात्मिक बोध के जरिए एक सूत्र में इस तरह पिरोया जाए कि अपनी महान विरासत का ज्ञान विद्यार्थियों को हो सके और उसमें लगातार प्रयोग तथा परिशोध का काम भी होता रहे। केन्द्रीय सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी वैचारिक परिकल्पना पर आधारित है।

इस विश्वविद्यालय में अन्य भाषाओं के श्रेष्ठ ज्ञान को हिंदी भाषा में अनूदित कर उसके प्रचार-प्रसार किए जाने का कार्य हो तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान बने। विश्वविद्यालय एक ऐसी अनूठी पहल के रूप में देश-विदेश के सामने आए, जिससे भारत की अनोखी सांस्कृतिक विरासत और लगातार हजारों वर्षों से संपोषित एवं सृजनरत संस्थाओं को पुनर्जीवित कर उनके मूलपाठ को वर्तमान संदर्भों में दुनिया के सामने लाया जा सके। इसके अतिरिक्त भारतीय भाषाओं में रुचि लेने वाले शोधार्थियों के लिए भी पर्याप्त समर्थन दिए जाने का प्रयत्न हो सके।

उद्देश्य

अधिनियम-2011 के अनुसार विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को अध्यापन, प्रशिक्षण, ज्ञान की वृद्धि और प्रसार के लिए तथा विज्ञान, साहित्य, कला और अन्य विधाओं में उच्च स्तरीय गवेषणा के लिए शिक्षण का माध्यम बनाना है। उपर्युक्त उद्देश्यों की व्यापकता को प्रभावित किए बिना, विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित हैं-

- विज्ञान, साहित्य, संस्कृति, कला, दर्शन व अन्य विधाओं के अध्ययन तथा गवेषणा को प्रोन्नत करना एवं संकलित करना व संरक्षित करना।
- हिंदी भाषा में शिक्षा और ज्ञान को प्रोन्नत करना, उसका प्रसार करना तथा इस प्रयोजन की पूर्ति के लिए अन्य भाषाओं से अनुवाद करना, प्रकाशन करना, दृश्य और दूरस्थ शिक्षा का उपयोग, सूचना प्रौद्योगिकी और रोजगार की प्रत्येक संभावनाओं को विकसित करना तथा उनको संचालित करना।
- हिंदी भाषा के ज्ञान को प्रोन्नत करने के लिए अभिभाषणों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, परिसंवादों, अधिवेशनों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- विभिन्न विधाओं में शिक्षण-प्रशिक्षण को प्रोन्नत करना और गवेषणा संबंधी कार्य किए जाने की व्यवस्था करना।
- सभी धर्मों, प्राचीन सभ्यताओं और संस्कृतियों के अध्ययन तथा गवेषणा-कार्य को प्रोत्साहित करना।
- परीक्षा संचालित करना, मानद उपाधियाँ एवं अन्य विशिष्टियाँ प्रदान करना।
- हिंदी को विश्वस्तरीय, गुणवत्तापूर्ण भाषा के रूप में स्थापित व प्रचलित करने में पूर्णतया सहयोग देना, व्यवस्था करना, प्रचारित-प्रसारित करना, इस विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है।
- ऐसे समस्त कार्य करना, जो विश्वविद्यालय के समस्त या किन्ही उद्देश्यों को प्राप्त करने में आनुषांगिक, आवश्यक और सहायक हों।

विशेषताएँ

1. मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय जहाँ कला, समाजविज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, अभियांत्रिकी, प्रबंधन, चिकित्सा, विधि, कृषि आदि समस्त विषयों का ज्ञान हिंदी माध्यम से प्रदान करना।
2. ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण करना, जो स्वरोजगार अपनाकर नौकरी करने के लिए ही नहीं बल्कि नौकरी देने लायक भी बने।
3. विद्यार्थियों में मूल्य आधारित व्यावसायिकता की सोच विकसित करना।
4. प्रत्येक विषय में भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक ज्ञान का समन्वय करते हुए छात्रों की भारत केन्द्रित दृष्टि विकसित करना।
5. सभी विद्यार्थियों को तनाव-प्रबंधन हेतु योग प्रशिक्षण देना।
6. सभी विद्यार्थियों को संगणक प्रशिक्षण की दक्षता प्रदान करना।
7. सभी विद्यार्थियों में सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्व का बोध विकसित करना।
8. नियमित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ अंशकालीन प्रशिक्षण, प्रमाण-पत्र एवं पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान करना।
9. शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध पाठ्यक्रमों में कोई आयु सीमा का बंधन नहीं रखना।
10. सभी ज्ञान अनुशासनों में विद्यानिधि (एम.फिल.), विद्यावारिधि (पीएच.डी.) एवं विद्यावाचस्पति (डी.लिट.,डी.एससी.,एल.एल.डी.) शोध उपाधि कार्यक्रम भी हिंदी माध्यम से कराया जाना।

Scanned with CamScanner

11. विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के साथ संस्कृत, एक प्रांतीय भाषा तथा एक विदेशी भाषा (अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन आदि) के अध्ययन की सुविधा प्रदान करना।
12. सामान्य रूप से देश में उपलब्ध संस्कृत, प्राकृत, पालि एवं प्रांतीय भाषाओं के साहित्य को तथा विशेष रूप से विश्व की अन्य भाषाओं में उपलब्ध श्रेष्ठ आधुनिक ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों की पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद करना।
13. देशज ज्ञान का संकलन, संपादन और प्रकाशन तथा विस्तार करना।
14. हिंदी का वातावरण सृजित करना और इस हेतु आवश्यक प्रचार-प्रसार करना।
15. हिंदी की पाण्डुलिपियों के संरक्षण और हिंदी के रचनाकारों तथा अन्य महापुरुषों की हस्तलिपियों का संरक्षण एवं प्रदर्शन करना।
16. राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध क्षेत्रों की पहचान और उनके संवर्द्धन के लिए संयुक्त उद्यम निर्मित करना।

विश्वविद्यालय की दृष्टि

विश्वविद्यालय एक ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण करना चाहता है जो समग्र व्यक्तित्व के विकास के साथ रोजगार- कौशल व चारित्रिक-दृष्टि से विश्वस्तरीय हो। विश्वविद्यालय ऐसी शैक्षिक-व्यवस्था का सृजन करना चाहता है जो भारतीय ज्ञान-परंपरा तथा आधुनिक ज्ञान में समन्वय करते हुए छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में ऐसी सोच विकसित कर सके जो भारत केंद्रित होकर संपूर्ण सृष्टि के कल्याण को प्राथमिकता देने में समर्थ हो।

हिंदी भारत की राजभाषा व संपर्क भाषा होने के साथ मध्यप्रदेश की राज्यभाषा व मातृभाषा भी है। भारत के विकास का पर्याय मातृभाषा `हिंदी' है। `हिंदी' विश्व की सबसे अधिक लोकप्रिय व बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता एवं आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। अतः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को अधिक सक्षम बनाने हेतु कौशलयुक्त, व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों को मातृभाषा `हिंदी' में संचालित किए जाने का प्रावधान विश्वविद्यालय में किया गया है।

प्रो. खेमसिंह डहेरिया
कुलपति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रांतीय/क्षेत्रीय भाषा को महत्व दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भाषा, साहित्य, दर्शन, संस्कृति, मानवीय-नैतिक मूल्यों आदि से साक्षात्कार मातृभाषा `हिंदी' में अध्ययन द्वारा ही संभव है। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश शासन द्वारा किया जा रहा प्रयास विश्वविद्यालय को समृद्ध और सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

श्री शैलेन्द्र कुमार जैन
कुलसचिव

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

आवेदन कैसे करें - अभ्यर्थी एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल www.abvhv.mponline.gov.in
जाकर अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के आवेदन पोर्टल पर जानकारी भरकर आवेदन कर सकते है।
संपर्क करें :- 9826524486, 9425357882, 9406785249, 8770888910, 9977379606, 9303476164, 9993708324, 9893466605, 8796310035, 9669723311

Scanned with CamScanner